पिछली कांग्रेस सरकार के अधूरे और खराब प्रोजेक्ट के लोकार्पण की जल्दबाजी क्यों हैं?

आमजन से जुड़े जो प्रोजेक्ट, जिनका निर्माण कार्य और टेस्टिंग अभी तक पूर्ण नहीं हुई, इंजीनियर्स ने उनके बारे में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल को जानकारी क्यों नहीं दी?

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पिछली कांग्रेस सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल ने जिन बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स पर खूब वाहवाही लूटी, वह आज तक पूरे नहीं हुए है। जबकि खुद धारीवाल राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड और जयपुर विकास प्राधिकरण में चेयरमैन के पद पर थे। पिछली सरकार के इन अधूरे और खराब प्रोजेक्ट्स के लोकार्पण की अब जल्दबाजी क्यों हो रही हैं?

आखिर नगरीय विकास विभाग के जिम्मेदार उच्चाधिकारियों और इंजीनियर्स ने मौजूदा भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल को यह जानकारी क्यों नहीं दी कि अभी तक यह प्रोजेक्ट्स पिछली सरकार की कमजोर मॉनिटरिंग और नीतियों के कारण पूरे नहीं हो पाए हैं। चूंकि पिछली सरकारों द्वारा बिल्डिंग, सड़क, पुल व उद्यान जैसे प्रोजेक्ट्स का चुनाव के समय लोकार्पण करना पुरानी परंपरा रही है, हर सरकार ऐसा करती आई हैं। परंतु फ्लैट्स अथवा आवास के प्रोजेक्ट्स, जिनमें लोग रहेंगे, उनकी सुरक्षा और निर्माण संबंधी गुणवत्ता जांचे बिना लोकार्पण करवाना क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी नहीं है?

बताया जा रहा है कि आमजन के आवास और सड़क सुविधाओं से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स में तो अभी तक टेस्टिंग और थर्ड पार्टी जांच नहीं हो पाई है, इसके बावजूद इंजीनियर्स ने प्रोजेक्ट्स की हकीकत छिपाकर वर्तमान नगरीय विकास मंत्री से इनका लोकार्पण तक करवा दिया। क्या लोकसभा चुनाव-2024 की आचार संहिता लागू होने से पहले आनन-फानन में इन योजनाओं के लोकार्पण का खेल इसलिए खेला गया, ताकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के इन अधूरे प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी का ठिकरा वर्तमान भाजपा सरकार के माथे पर फोड़ा जा सके? इन सभी प्रोजेक्ट्स में जो घटिया काम हुए, उनकी जांच भी आनन-फानन में लोकार्पण के कारण पूरी नहीं हो पायी है।

सूत्रों की मानें तो पिछली कांग्रेस सरकार के प्रोजेक्ट्स में शामिल जयपुर के प्रताप नगर में अखिल भारतीय सेवा (ए.आई.एस.) रेजीडेंसी-प्रथम, फाउंटेन स्कवायर मानसरोवर, बोटनिकल गार्डन सिटी पार्क मानसरोवर, इंदिरा गांधी नगर में 200 फीट चौड़े गंगा मार्ग व सर्विस लेन सुदृढ़ीकरण और मुख्यमंत्री जन आवास योजना प्रताप नगर सेक्टर-28 प्रोजेक्ट्स का कार्य राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड द्वारा आज तक पूरा नहीं किया जा सका है।

अगर इन प्रोजेक्ट्स की बात करें तो मुख्यमंत्री जन आवास योजना प्रताप नगर सेक्टर-28 में 1056 आवासों का निर्माण तय डेडलाइन (अप्रैल-2023) तक पूरा करने में पिछली कांग्रेस सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई। सितंबर-2020 में जब इन आवासों की घोषणा तत्कालीन यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने की थी, तब तय समय से पहले काम पूरा करने के बड़े-बड़े दावे किए गए थे, जो कि धरातल पर नहीं उतर पाए। कांग्रेस राज में आवासन मंडल में नियुक्त हुए अफसरों ने राजस्थान में सरकार बदलने के बाद भी अपना काम नहीं सुधारा। अब उनकी कारगुजारियां और ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे घटिया काम पकड़े नहीं जाए, इसलिए आनन-फानन में इन योजनाओं का लोकार्पण की तैयारियां की गई। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में बनने वाले यह 1056 फ्लैट्स आज तक पूरे नहीं हो पाए और अब आवंटियों को पेनल्टियां भुगतनी पड़ रही है। इसी तरह ए.आई.एस. रेजीडेंसी प्रथम, फाउंटेन स्कवायर, बोटनिकल गार्डन व इंदिरा गांधी नगर स्थित गंगा मार्ग का काम भी अभी तक पूरा नहीं हो पाया है।

सूत्रों की मानें तो जयपुर में बहुप्रतीक्षित झोटवाड़ा एलिवेटेड रोड (राव शेखाजी पुलिया) का काम भी पिछली कांग्रेस सरकार के पूरे 5 साल में जयपुर विकास प्राधिकरण पूरा नहीं करवा पाया। विधानसभा चुनाव-2023 से पहले जब तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल को लगा कि इस प्रोजेक्ट का श्रेय कांग्रेस को नहीं मिल पाएगा तो उन्होंने विधानसभा चुनाव-2023 की आचार संहिता से कुछ दिन पहले आधी-अधूरी पुलिया (पानीपेच से निवारू टी-जंक्शन तक) का लोकार्पण कर दिया। चूंकि पुलिया का निर्माण आधा ही पूरा हुआ था, इसलिए इसे फेज-1 का नाम दे दिया गया।

इसके बाद निवारू टी जंक्शन से झोटवाड़ा पंचायत समिति तक पुलिया निर्माण का काम चलता रहा। कई जगह पर तय 160 फीट चौड़ी सड़क के बजाय 100-120 फीट तक चौड़ाई में ही सड़क बनाई गई। इस एलिवेटेड रोड की सर्विस लेन और चौमूं पुलिया सर्किल से झोटवाड़ा की ओर जाने वाली सीमेंटेड सड़क का निर्माण कार्य अभी तक भी पूरा नहीं हो पाया है, जो अब किया जा रहा है। इसके बावजूद क्या जे.डी.ए. के अधिकारियों ने पिछली कांग्रेस सरकार में हुई गड़बड़ियों को छिपाने के लिए भाजपा की सरकार बनते ही लोकार्पण का प्रस्ताव रखा?

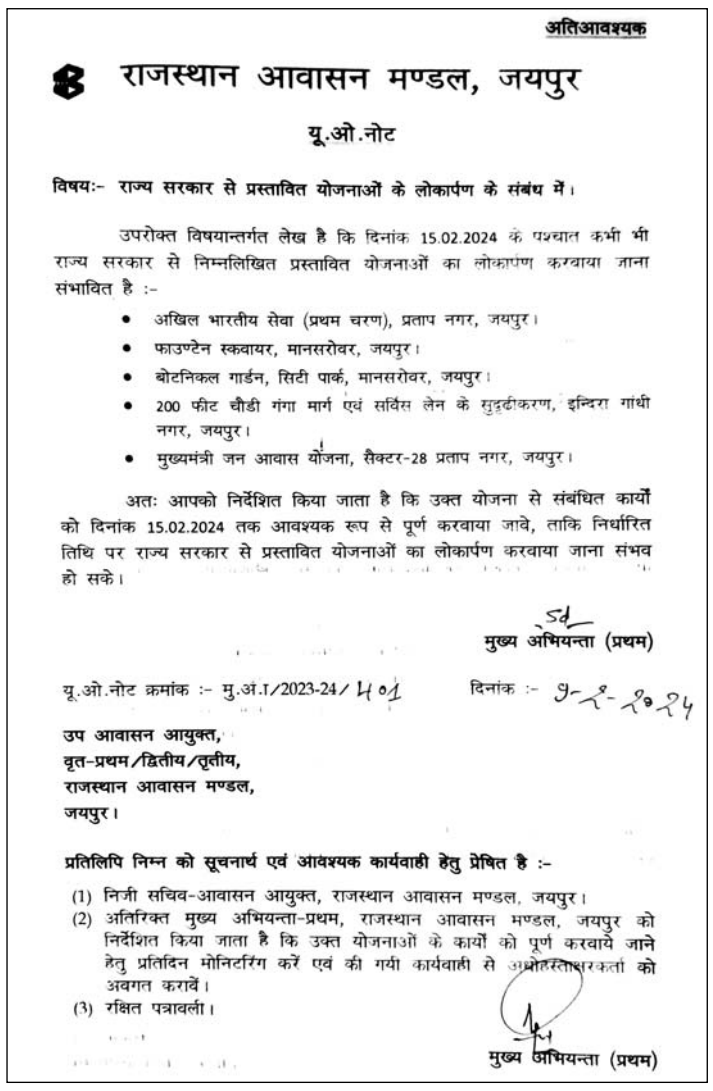

अतिआवश्यक

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर

यू.ओ.नोट

विषयः- राज्य सरकार से प्रस्तावित योजनाओं के लोकार्पण के संबंध में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि दिनांक 15.02.2024 के पश्चात कभी भी राज्य सरकार से निम्नलिखित प्रस्तावित योजनाओं का लोकार्पण करवाया जाना संभावित है :-

- अखिल भारतीय सेवा (प्रथम चरण), प्रताप नगर, जयपुर।
- फाउण्टेन स्कवायर, मानसरोवर, जयपुर।
- बोटनिकल गार्डन, सिटी पार्क, मानसरोवर, जयपुर।
- 200 फीट चौडी गंगा मार्ग एवं सर्विस लेन के सुदृढीकरण, इन्दिरा गांधी नगर, जयपुर।
- मुख्यमंत्री जन आवास योजना, सैक्टर-28 प्रताप नगर, जयपुर।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उक्त योजना से संबंधित कार्यों को दिनांक 15.02.2024 तक आवश्यक रूप से पूर्ण करवाया जावे, ताकि निर्धारित तिथि पर राज्य सरकार से प्रस्तावित योजनाओं का लोकार्पण करवाया जाना संभव हो सके।

मुख्य अभियन्ता (प्रथम)

यू.ओ.नोट क्रमांक :- मु.अ.I/2023-24/401 दिनांक :- 9-2-2024

उप आवासन आयुक्त,
वृत-प्रथम/द्वितीय/तृतीय,
राजस्थान आवासन मण्डल,
जयपुर।

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

(1) निजी सचिव-आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर।
(2) अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर को निर्देशित किया जाता है कि उक्त योजनाओं के कार्यों को पूर्ण करवाये जाने हेतु प्रतिदिन मोनिटरिंग करें एवं की गयी कार्यवाही से अवगत करावें।
(3) रक्षित पत्रावली।

मुख्य अभियन्ता (प्रथम)

- **चूंकि पिछली सरकारों द्वारा बिल्डिंग, सड़क, पुल व उद्यान जैसे प्रोजेक्ट्स का चुनाव के समय लोकार्पण करना पुरानी परंपरा रही है, हर सरकार ऐसा करती आई हैं। परंतु फ्लैट्स अथवा आवास के प्रोजेक्ट्स, जिनमें लोग रहेंगे, उनकी सुरक्षा और निर्माण संबंधी गुणवत्ता जांचे बिना लोकार्पण करवाना क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी नहीं है?**
- **सवाल यह उठता है कि, क्या लोकसभा चुनाव-2024 की आचार संहिता लागू होने से पहले आनन-फानन में इन योजनाओं के लोकार्पण का खेल इसलिए खेला गया, ताकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के इन अधूरे प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी का ठिकरा वर्तमान भाजपा सरकार के माथे पर फोड़ा जा सके?**

बाल विकास परियोजना अफसर और महिला पर्यवेक्षक निलम्बित

- **महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव डॉ. मोहनलाल यादव ने जारी किए आदेश**
- **सैनेटरी नैपकिन का नियमानुसार भौतिक सत्यापन करवाए बिना ई-औषधि पोर्टल पर रिवर्स एन्ट्री करवाने के मामले में कार्रवाई**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. मोहन लाल यादव ने बताया कि जैसलमेर जिले के सम सीडीपीओ कार्यालय के बाल विकास परियोजना अधिकारी (सी.डी.पी.ओ.) करण सिंह को तथा जैसलमेर जिले के पोकरण सीडीपीओ कार्यलय की महिला पर्यवेक्षक स्नेहलता शर्मा को निलम्बित किया गया है।

शासन सचिव ने बताया कि करण सिंह बाल विकास परियोजना अधिकारी, सम जिला जैसलमेर के विरूद्ध सैनेटरी नैपकिन का नियमानुसार भौतिक सत्यापन करवाए बिना ई-औषधि पोर्टल पर रिवर्स एन्ट्री करवाए जाने के सन्दर्भ में गम्भीर लापरवाही बरतने बाबत अनुशासनिक कार्यवाही विचाराधीन होने के तहत राजस्थान सिविल सेवाएं नियम 1958 के नियम 13 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें तुरन्त प्रभाव से निलम्बित करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार स्नेहलता शर्मा महिला पर्यवेक्षक कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी, पोकरण जिला जैसलमेर के विरूद्ध सैनेटरी नैपकिन का नियमानुसार भौतिक सत्यापन करवाए बिना ई-औषधि पोर्टल पर रिवर्स एन्ट्री करवाए जाने के सन्दर्भ में गम्भीर लापरवाही बरतने बाबत अनुशासनिक कार्यवाही विचाराधीन होने के तहत राजस्थान सिविल सेवाएं नियम 1958 के नियम 13 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें तुरन्त प्रभाव से निलम्बित करने के आदेश दिए गए हैं।

शासन सचिव ने बताया कि करण सिंह का बाल विकास परियोजना अधिकारी का निलम्बन काल मुख्यालय उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, डीग के कार्यालय में नियत किया गया है। इसी प्रकार स्नेहलता शर्मा,महिला पर्यवेक्षक का निलम्बन काल में मुख्यालय उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, भरतपुर के कार्यालय में नियत किया गया है।

निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओपी बुनकर ने बताया कि शनिवार 25 मई को सभी जिलों के उप निदेशक, सीडीपीओ तथा महिला पर्यवेक्षक को शनिवार 25 मई को पांच-पांच आंगनबाड़ी केन्द्रों का अवलोकन कर उडान योजना के अंतर्गत सैनेटरी नेपकिन वितरण व्यवस्था का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए गए हैं कि उक्त भौतिक सत्यापन कि रिपोर्ट भी शनिवार 25 मई को ही देनी होगी।

सार-समाचार

बुद्ध शिक्षाओं का प्रथमतः पालन जरुरी

जयपुर, (का.सं.)। सैद्धान्तिक उपदेश एवं शिक्षाओं की चर्चा मात्र से जीवन सफल नहीं होता अपितु उनका प्रथमतः व्यवहारिक पालन से जीवन सफल व सार्थक बनता है। जीवन में संस्कार एवं नैतिक आचरण के अभाव में निरन्तर दिशा एवं दशाए बदल रही हैं जिसके जिम्मेदार मानव है। हास्यप्रद है कि सभी आस्थाओं के संदेशों का मात्र बखान कर इतिश्री करना गरिमा के प्रतिकूल है। परिणाम सामने है। उन्होंने आहवान किया कि बुद्धत्व मार्ग का पालन करना चुनोती नहीं बल्कि सत्य कर्म के लिए सरल व आशान हैं। यह विचार "बुद्ध सर्वधम्म केन्द्र" भगवती नगर में गुरुवार को भगवानबुद्ध शिक्षा एवं समाज उन्नतीय संस्था द्वारा आयोजित 37वें बुद्ध जयन्ती समारोह में व्यक्त किया गया। इस अवसर पर बताया कि प्रातः बड़े बुजुर्गों, मॉता-पिता, का नमन का सद्आचरण सर्वोपरि है। बौद्ध राधेश्याम कोली ने बताया कि अद्भुद गौतमबुद्ध ने मानव द्धारा अपार अर्जित सम्पति के उपरान्त भी अशान्त जीवन को सुखमय बनाने के लिए शेष जीवन को पुनःर्जन्म मान सद्कर्मो में लगाने की सलाह दी। समारोह के मुख्य अतिथि व्योवृद्ध मथुरालाल ने बुद्ध चित्र सम्मुख दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण कर विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर बुद्ध प्रेमी केशव देव वर्मा, सूरज मल, वनवारी लाल, सुभाष चंद एवं गणमान्यो ने सम्बोधन कर उत्साह भर दिया।

आईओ हैंडबुक व इंवेस्टिगेशन चार्ट जारी

जयपुर । पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने शुक्रवार को जयपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में नए आपराधिक कानूनों (न्यू क्रिमिनल लॉज-2023) के संदर्भ में अनुसंधान अधिकारी (आईओ) के लिए हैंडबुक एवं अनुसंधान फ्लो चार्ट के पोस्टर का विमोचन किया। आईओ हैंडबुक में पुलिस अनुसंधान प्रक्रिया का पुराने और नए कानूनों के संदर्भ में तुलनात्मक विवरण, राजस्थान पुलिस अधिनियम एवं रेगुलेशन के संदर्भित प्रावधान एवं विधि विज्ञान के अनुसंधान में उपयोगी सामग्री के साथ ही इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर्स के संदर्भ और विवेचन के लिए तार्किक फ्लो चार्ट एवं ब्रोशर का समावेश किया गया है। साहू ने इस अवसर पर अधिकारियों को हैंडबुक एवं इंवेस्टिगेशन फ्लो चार्ट की प्रतियों को पुलिस रेंज, जिला, वृत एवं थाना स्तर तक वितरण करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक लगभग 12 हजार पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवीन आपराधिक कानूनों- 2023 का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। जून-2024 के अन्त तक सभी पुलिस अनुसंधान अधिकारियों की ट्रेनिंग पूरी कर ली जाएगी। विमोचन के अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम एन, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड सचिन मित्तल, उपमहानिरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण राहुल कोटोकी, इंटेलिजेंस ट्रेनिंग अकादमी के निदेशक दीपक भार्गव एवं पुलिस अधीक्षक जयपुर (ग्रामीण) शांतनु कुमार सिंह के अलावा नवीन आपराधिक कानून-2023 के क्रियान्विति से संबंधित समितियों के सदस्यों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धनपत राज, शालिनी सक्सेना एवं सुशीला यादव, उप पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक दीपक यादव, धीरज वर्मा एवं पंकज राज तथा एसआई सोनिया तंवर मौजूद थे।

ट्रक की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

जयपुर । मानसरोवर इलाके में गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि दो यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया। पुलिस के अनुसार रात करीब सवा दो बजे प्रधान वाटिका में एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक चालक धौलपुर निवासी 36 वर्षीय गंभीर सिंह और ऑटो सवार दो यात्री घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म

जयपुर । मुहाना थाना इलाके में नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि सांगानेर निवासी 23 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया कि जुलाई-2023 में जॉब के दौरान उसकी मुलाकात सुनील गोस्वामी से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी सुनील ने उससे दोस्ती कर ली। आरोप है कि मिलने के बहाने उसे मानसरोवर स्थित एक होटल में बुलाया। होटल रूम में नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर आरोपी ने रेप किया।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने 3 घंटे तक किया हिंगौनिया गौशाला का निरीक्षण

भीषण गर्मी में गौवंश को उचित छाया और चारा-पानी देने के निर्देश

नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने शुक्रवार को हिंगौनिया गौशाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जयपुर । नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने शुक्रवार को हिंगौनिया गौशाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुबह 8 बजे से 11 बजे तक करीब 3 घंटे से भी अधिक समय तक चले इस निरीक्षण में महापौर गायों के एक-एक बाडे में गई। उन्होंने गायों के लिये बनाये गये 62 बाड़ों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने गायों को हरा चारा भी खिलाया।

महापौर ने भीषण गर्मी को देखते हुए गायों के लिये ग्रीन शेड नेट स्वयं के खर्चे पर लगवाने के लिए 5 लाख रूपये राशि देने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने गौशाला प्रबंधन को छाया, पानी, चारा, साफ-सफाई, बीमार गायों का उचित प्रकार से उपचार जैसी सभी व्यवस्थाओं को माकुल करने के सख्त निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए आगामी 10 दिन तक लगातार पानी का छिड़काव करने के भी निर्देश दिये। महापौर ने आईसीयू वार्ड का भी निरीक्षण किया आईसीयू वार्ड में 1 दिन के गाय के बच्चे को दुलार किया तथा बोतल से दूध भी पिलाया।

- **अगले 10 दिनों तक गर्मी में राहत देने के लिये गायों पर ठंडे पानी की बौछार की जायेगी**

औचक निरीक्षण के दौरान डॉ. हरेन्द्र, डॉ. राधेश्याम मीणा, उपायुक्त रजनी माधीवाल सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में शाम की पारी में सफाई 30 जून तक बंद

जयपुर । राजस्थान में भीषण गर्मी सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है। तेज धूप और लू के चलते अब आम आदमियों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ रहा है। इसके बाद सरकार ने प्रदेशभर के सफाई कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए एक पारी की सफाई व्यवस्था को 30 जून तक के लिए स्थगित कर दिया है। स्थानीय निकाय विभाग के उपनिदेशक विनोद पुरोहित ने बताया कि राजस्थान में लगातार गर्मी बढ़ रही है। ऐसे में 30 जून तक प्रदेशभर के सफाई कर्मचारियों को सिर्फ सुबह की पारी में ही सफाई करनी होगी। शाम की पारी में उन्हें सफाई करने नहीं आना पड़ेगा। इसके साथ ही सुबह की पारी में भी उन्हें सुबह 5 बजे बुलाया गया है। ताकि तेज धूप के प्रकोप से प्रदेशभर के सफाई कर्मचारियों को राहत दी जा सके। सफाई कर्मचरी यूनियन के जितेंद्र ढलेत ने कहा कि राज्रू सरकार की इस पहल का प्रदेशभर के सफाई कर्मचारी स्वागत करते है। लेकिन सुबह की पारी की टाइमिंग चेंज होनी चाहिए। क्योंकि बड़ी संख्या में ऐसे सफाई कर्मचारी है। जो दूर दराज से जयपुर आकर सफाई कर रहे है। ऐसे में सुबह 5 बजे सफाई कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी पर पहुंचने के लिए संसाधन नहीं मिल पा रहे हैं। जिसका सीधा असर शहर की सफाई व्यवस्था पर देखने को मिल सकता है।

टी. रविकांत ने आठ सचिवों को थमाया 'कारण बताओ' नोटिस

राजस्व अर्जन और आमजन के सामान्य कार्यों में ढिलाई बरतने पर लगाई फटकार

जयपुर । प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने नगरीय विकास व आवासन विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सभी आयुक्त, विकास प्राधिकरण और सचिव न्यास ने भाग लिया। वीसी के माध्यम से हुई इस बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों से विभागीय कार्यों की समीक्षा की और कार्यों में तेजी लाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने सिटीजन सर्विसेज से संबंधित लंबित प्रकरणों में लापरवाही बरतने पर सचिव, बीकानेर नगर विकास न्यास एवं सचिव, कोटा विकास प्राधिकरण ई-फाईलिंग में कम प्रगति पर सचिव, कोटा विकास प्राधिकरण, सचिव, न्यास आबू, बाड़मेर, बीकानेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली और सीकर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। राजस्व अर्जन में बहुत कम राजस्व प्राप्ति पर सचिव, नगर विकास न्यास बाड़मेर व पाली को "कारण बताओ नोटिस" जारी किया जायेगा। प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त द्वारा यह निर्देश दिये की आगामी 15 दिवस में ई फाइल का कार्य सम्पूर्ण करेंगे। उनके द्वारा सभी विकास प्राधिकरण की जोन उपायुक्त स्तर तक भी सिटीजन सर्विसेज कार्यों की समीक्षा की गई। जिसकी 7 दिनों पश्चात पुनः समीक्षा की जायेगी। वीसी में जयपुर, अजमेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर के विकास प्राधिकरणों के आयुक्त एवं सचिव, आयुक्त, राजस्थान आवासन मंडल, उप शासन सचिव, सचिव, नगर विकास न्यास, जेएमआरसी के निदेशक, मुख्य नगर नियोजक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

11 हजार 824 किलो से ज्यादा मिलावटी घी सीज

जयपुर (कासं)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय की ओर से मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए 11 हजार 824 किलो मिलावटी घी सीज किया गया।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि धौलपुर में सीएमएचओ डॉ.जयंती लाल मीणा के द्वारा धौलपुर रीको औद्योगिक क्षेत्र में पालीवाल संस डेयरी प्राइवेट लिमिटेड से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत 3 नमूने पालीवाल ब्रांड घी के लिए गए। साथ ही, संदेह के आधार पर 9 हजार 898 किलो घी भी सीज किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह भी कार्रवाई में शामिल रहे। नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

इसी प्रकार गंगापुर सिटी में

324 लीटर घी मारवाड़ की शान सरस फर्म बजाज एंटरप्राइजेज पर सीज कर तीन नमूने लिए गए।

टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह और वेद प्रकाश पूर्विया शामिल थे। भरतपुर में सीएमएचओ टीम ने मैसर्स सुमित ट्रेडिंग कंपनी में पालीवाल घी और गोधन डेरी का 1500 किलोग्राम घी सीज किया।

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लोगों को ठगने वाली ईरानी गैंग के 3 बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने 500 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी को लखनऊ में दबोचा

जयपुर (कासं)। माणक चौक पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर ठगी करने वाली ईरानी गैंग के तीन सदस्यों को 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद लखनऊ से पकड़ा। पुलिस ने गैंग के सदस्यों को वारदात के लिए जयपुर लाने वाले एक टैक्सी चालक को भी गिरफ्तार किया। डीसीपी राशि डोगरा डूडी ने बताया कि गैंग ने पांच माह में जौहरी बाजार में ही चार ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

उन्होंने बताया कि भोपाल के निशादपुरा स्थित ईरानी बस्ती निवासी शेख मुख्तार उमर उर्फ मुख्तार हसन, मोहम्मद अली, जुल्फीकार उर्फ जावेद को गिरफ्तार किया। आरोपियों

- **गैंग के सदस्यों को वारदात के लिए जयपुर लाने वाला टैक्सी चालक भी गिरफ्तार**

के ईरानी बस्ती निवासी साथी मोहम्मद बाकर उर्फ शोकत की तलाश जारी है। आरोपियों को वारदात के लिए लेकर जाने वाले उत्तर प्रदेश निवासी टैक्सी चालक जितेन्द्र कुमार शर्मा को भी गिरफ्तार किया। डीसीपी राशि ने बताया कि 9 मार्च को संचित बागडा ने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

परिवादी ने बताया कि 8 मार्च को दुकान बंद कर बैग में दो पीस डायमंड व 50 हजार रुपए लेकर घर के लिए निकला था। परतानियों का रास्ता में चार लोगों ने रुकवा लिया और खुद को पुलिस में होना बताया। आरोपियों ने बातों में उलझाकर व परिवादी की नजर से बचते हुए बैग में रखे दोनों डायमंड व 50 हजार रुपए निकाल ले गए।

डीसीपी राशि ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए थानाधिकारी गुरभूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में एएसआई प्रद्युमन, कांस्टेबल छीतरमल, प्रधान, विजय, विजय सिंह व गिरधर सिंह की टीम बनाई। आरोपियों पर 2 अप्रेल को 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। गैंग के सदस्य 16 मई को जयपुर आकर पार्सल का काम करने वाले द्वारका प्रसाद शर्मा को सीबीआई अधिकारी बनकर रोक लिया। द्वारका प्रसाद की नजर से बचते हुए एक पार्सल पार कर ले गए। करीब 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तब आरोपियों के आगरा रोड की तरफ जाने का पता चला,। तब एक पुलिस टीम आगरा भेजी। वहां सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व मुखबिर से पता चला कि गैंग के सदस्य लखनऊ पहुंच गए हैं। तब पुलिस टीम लखनऊ पहुंची। लखनऊ में भी सीसीटीवी कैमरों की मदद और मुखबिर की सूचना पर लुलु मॉल के पास से आरोपियों को पकड़ा गया।